

中国古典文学名著

# 聊斋志异

绘画本

蒲松龄 原著

伍国庆等改编

草妍 绘画  
众志



海南出版社

中国古典文学名著

# 聊斋志异

绘画本

|      |   |     |
|------|---|-----|
| 原    | 著 | 蒲松龄 |
| 改    | 编 | 伍国庆 |
| 策    | 划 | 应德林 |
| 责任编辑 |   | 俞大宁 |

海南出版社

一九九五年七月

(琼)新登字 04 号

## 聊斋志异(绘画本)

原 著:蒲松龄

改 编:伍国庆

责任编辑:俞大宁

装帧设计:徐 佳

---

海南出版社出版发行 全国新华书店经销

湖南省石门县印刷厂印刷

---

开本: 850×1168 1/32 印张:14 印数:1—15000

1995年9月第1版第1次印刷

---

ISBN7—80617—268—8/J·12 定价:64.80

绘画：

|     |     |     |
|-----|-----|-----|
| 狄 仁 | 草 妍 | 吴泽君 |
| 杨 盟 | 汤永忠 | 唐宏岳 |
| 李道用 | 李 琼 | 邓莉文 |
| 唐本佳 | 肖 弋 | 史春霞 |
| 范 伟 | 丁 虹 | 包龙惠 |

# 总 目 录

## 卷一

|      |       |
|------|-------|
| 王六郎  | (1)   |
| 偷 桃  | (16)  |
| 种 梨  | (26)  |
| 劳山道士 | (34)  |
| 蛇 人  | (47)  |
| 狐嫁女  | (62)  |
| 娇 娜  | (75)  |
| 妖 术  | (108) |
| 三 生  | (118) |
| 叶 生  | (125) |
| 成 仙  | (133) |
| 王 成  | (144) |
| 青 凤  | (157) |
| 画 皮  | (167) |
| 贾 儿  | (185) |
| 董 生  | (197) |
| 陆 判  | (206) |
| 聂小倩  | (236) |
| 胡四姐  | (245) |
| 侠 女  | (252) |
| 莲 香  | (261) |
| 阿 宝  | (272) |
| 张 诚  | (284) |
| 红 玉  | (303) |

|     |       |
|-----|-------|
| 鲁公女 | (322) |
| 连 锁 | (337) |
| 白于玉 | (355) |
| 夜叉国 | (366) |
| 连 城 | (381) |
| 小 二 | (393) |
| 庚 娘 | (405) |
| 宫梦弼 | (416) |

## 卷二

|      |       |
|------|-------|
| 翩翩   | (427) |
| 青 梅  | (439) |
| 罗刹海市 | (459) |
| 田七郎  | (487) |
| 公孙九娘 | (509) |
| 促 织  | (521) |
| 续黄粱  | (540) |
| 辛十四娘 | (562) |
| 寒月芙蕖 | (578) |
| 酒 狂  | (598) |
| 鸦 头  | (609) |
| 封三娘  | (628) |
| 狐 梦  | (653) |
| 章阿端  | (671) |
| 花姑子  | (690) |
| 西湖主  | (709) |

|     |       |
|-----|-------|
| 伍秋月 | (726) |
| 彭海秋 | (737) |
| 窈 氏 | (748) |
| 细 柳 | (764) |
| 局 诈 | (783) |
| 云翠仙 | (789) |
| 江 城 | (808) |
| 八大王 | (832) |

### 卷三

|     |        |
|-----|--------|
| 梅 女 | (851)  |
| 阿 英 | (870)  |
| 青 娥 | (890)  |
| 宦 娘 | (914)  |
| 阿 绣 | (934)  |
| 小 翠 | (961)  |
| 金和尚 | (972)  |
| 钟 生 | (982)  |
| 马介甫 | (996)  |
| 梦 娘 | (1028) |
| 嫦 娥 | (1042) |
| 司文郎 | (1062) |
| 吕无病 | (1078) |
| 钱卜巫 | (1096) |
| 崔 猛 | (1106) |
| 诗 漱 | (1186) |
| 陈锡九 | (1148) |
| 于去恶 | (1176) |
| 凤 仙 | (1187) |

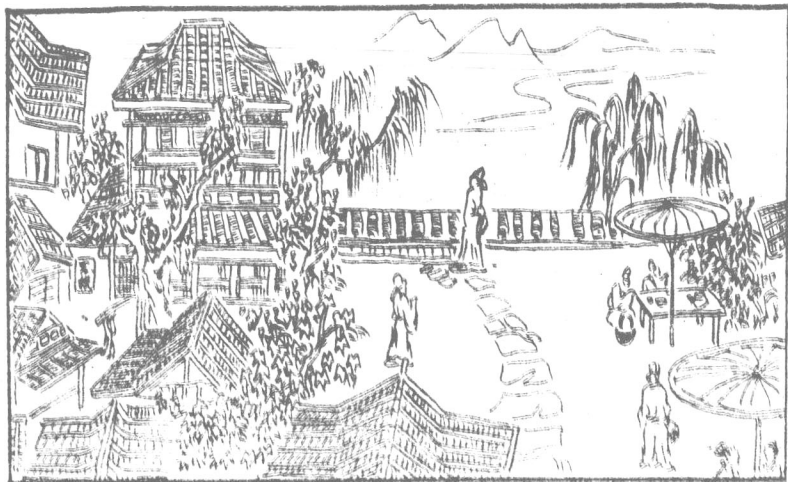
|     |        |
|-----|--------|
| 爱 奴 | (1208) |
| 小 梅 | (1222) |
| 绩 女 | (1241) |
| 张鸿渐 | (1262) |

### 卷四

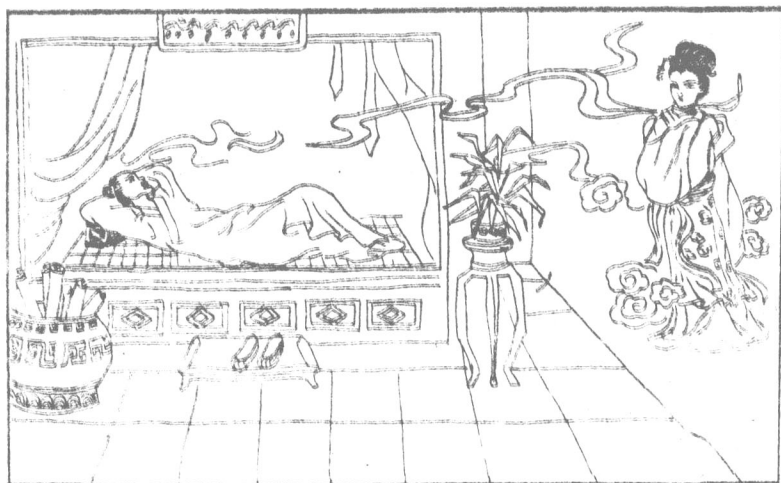
|        |        |
|--------|--------|
| 折 狱(一) | (1275) |
| 折 狱(二) | (1287) |
| 云梦公主   | (1298) |
| 神 女    | (1324) |
| 湘 裙    | (1353) |
| 长 亭    | (1377) |
| 席方平    | (1399) |
| 瑞 云    | (1421) |
| 胭 脂    | (1430) |
| 仇大娘    | (1451) |
| 葛 巾    | (1476) |
| 书 痴    | (1495) |
| 齐天大圣   | (1510) |
| 陈云栖    | (1523) |
| 织 成    | (1539) |
| 竹 青    | (1551) |
| 香 玉    | (1564) |
| 王 者    | (1581) |
| 大 男    | (1593) |
| 薛慰娘    | (1614) |
| 锦 瑟    | (1632) |
| 房文淑    | (1659) |
| 曾友于    | (1671) |





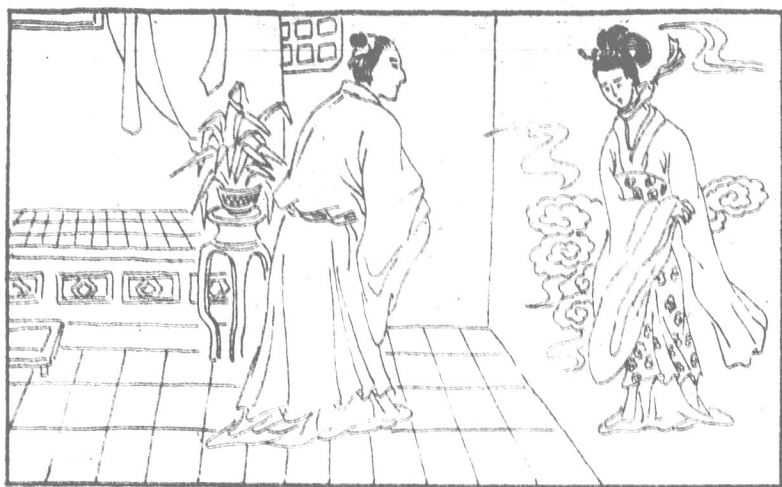


1. 太行地方有个叫封云亭的人，年青时死了妻子，独身生活感到很寂寞，偶尔到郡城去游玩，住在一家旅店里。



2. 白天无事在客房里躺着，看见墙上有个女子的身影，朦朦胧胧的以为是一幅仕女图。





3. 后来越看越觉得不是仕女图，便走近去看，好像真有一个少女，愁眉苦脸，伸着舌头，脖子上套着绳索。



4. 云亭正在吃惊，那少女却飘然走了下来，云亭知道是吊死鬼，但是在白天，倒也不太害怕。



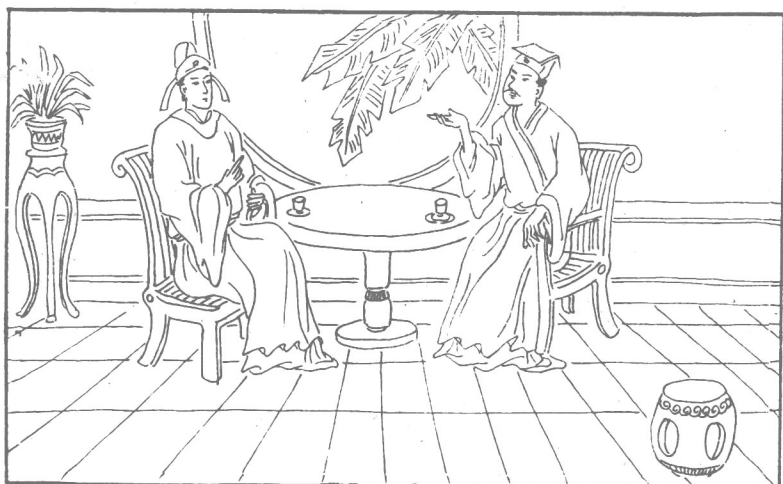
5. 那女子说：“我是九泉下的枯骨，求您把这屋梁弄断烧掉，让我的舌头缩进去，脖子上的绳子松掉，那就恩重如山了。”



6. 封云亭答应了她的要求，把房主找来，问他见到的女鬼究竟是怎么回事呢？



7. 房主说：“这房子十年前是梅家的住宅，一天捉到一个贼送到典史去处置，典史受了小偷五百个大钱的贿赂，诬赖梅家姑娘与小偷通奸，梅女气得上吊了。”



8. 封云亭把女鬼的要求告诉了房主，表示自己愿意出钱把房里的屋梁换下来烧掉。房主也觉得这样对他的生意有好处，便同意了。



9. 当换梁的事完工后的当天晚上,梅女来了,向封云亭再三表示感谢,喜气洋洋。封云亭一看她那妖艳的面容,便想与她同居。



10. 那梅女羞涩的说,“我身上的阴森之气会损害你的身体,缩短你的寿命,现在还没有到同居的时候。”



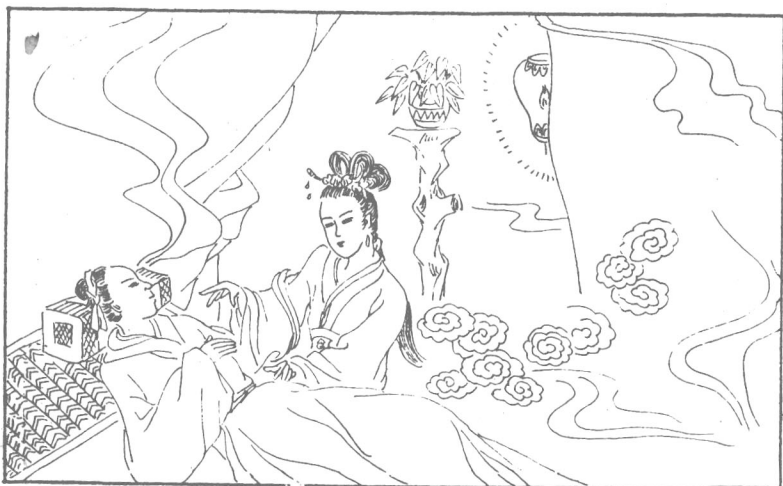
11. 封云亭叹了一口气说：“面对这么漂亮的姑娘，只能彼此呆呆的互相看着、坐着，有什么味道！”



12. 梅女说：“那我们来做交线翻股的游戏吧！”于是封与梅女促膝而坐，玩着玩着，封云亭觉得很开心，说：“这真是闺房里绝妙的游戏啊！”



13. 夜深了，封又提出与梅女同居，梅女说：“我们阴间人是不睡觉的，我懂得一点按摩术，我来给你按摩吧！”



14. 梅女叫封躺下，她从头顶开始，一直按摩到脚跟，封感到舒服极了，按着按着，便沉沉入睡了。



15. 第二天,封生等梅女来,一直等到太阳下山她才来。封又请求同寝,梅女不答应说:“不行。这里来了一个妓女叫爱卿,我让她来陪你。”



16. 次日晚上,梅生果然带来一个年近三十的少妇,很是风流放荡。三个人玩了一阵游戏以后,梅女便托故先走了。





17. 封生见梅女走了，便与爱卿解衣上床。问她姓名，她不回答，只是说：“郎君如喜欢我，只要用手指敲北边的墙，叫一声‘葫芦子’，我立刻会来的。”封生快乐非常。



18. 有个典史的妻子顾氏死了，很是怀念。听说封生与女鬼有交情，便要求封生问女鬼阴间如何结姻缘？封答应帮忙。



19. 一天晚上,那个典史来到封生客房里,要封生招妓。封生敲了几下北墙,又叫了三声‘葫芦子’,那女妓果然来了,看见典史,吓得转声便走。



20. 典史一见那个鬼妓也勃然大怒,抓起一个大碗向女鬼砸去。